SALTOC Project
Title: Ālocanā (Delhi, India)
Imprint: Dillī : Rājakamala Prakāśana Prāiveṭa lī
OCLC: 4094931
No. 13 (Apr-Jun 2003)
TOC Provided by Center for Research Libraries

आलोचना
त्रैमासिक

2003

सहस्राब्दी अंक तेरह
अप्रैल-जून

प्रधान सम्पादक
नामवर सिंह

सम्पादक
परमानन्द श्रीवास्तव

सह सम्पादक
आर. चेतनक्रान्ति

कला सम्पादक
हरीश आनन्द

प्रबन्ध सम्पादक
अशोक महेश्वरी

अनुक्रम

यह अंक : 5

सृजन-परिदृश्य

हेमन्त कुकरेती की दस कविताएँ 7
आर. चेतनक्रान्ति की तीन कविताएँ 15
उपन्यास-अंश : जीवन के गुणधर्म और ललित साहित्य : **श्याम मनोहर** 20
लीलाधर जगूड़ी की चार कविताएँ 24

संवाद : कविता का भविष्य

किसी भी समाज में कविता स्वायत्त घटना नहीं होती : **कुमार अम्बुज** 28
कविता का भविष्य, भविष्य की कविता : **स्वप्निल श्रीवास्तव** 32
समकालीन चुनौतियों के सामने हिन्दी कविता : **प्रफुल्ल कोलख्यान** 37
लोक में शब्द : **एकान्त श्रीवास्तव** 47
कविता का भविष्य और मराठी की समकालीन कविता : **चन्द्रकान्त पाटील** 51

स्मरण

कविता भाव है तो नाटक उसका भावोत्कर्ष : **ब.व. कारन्त से बातचीत** 54
कविता के भविष्य में अतीत की भूमिका और सुमन : **रमेश दवे** 59
अलविदा कामरेड भीष्म : **विद्यासागर नौटियाल** 65

मूल्यांकन-परिदृश्य

त्रासद विडम्बना से अधिक : **परमानन्द श्रीवास्तव** 68
कविता समय : **प्रभात त्रिपाठी** 76
नागरिक आत्मा की तलाश : **रघुवंश मणि** 85
कविता का जनपद, जनपद की कविता : **भवदेव पांडेय** 89

आलोचना-परिदृश्य

हिन्दी में मौलिक नाट्य लेखन की समस्याएँ : **देवेन्द्रराज अंकुर** 95
अन्यताबोध के घेरे : **सुमनिका सेठी** 102